एकवार्षिक स्नातकोत्तर पत्रोपाधि परीक्षा पाठ्यक्रम

1- Year POST GRADUATE DIPLOMA EXAMINATION SYLLABUS

आचार्य साहित्य

ACHARYA SAHITYA

(Programme Code – AC-SAH)

L.O.C.F.

अधिगम परिणाम-आधारित पाठ्यचर्या रूपरेखा

2025-2026

(संस्कृत साहित्य विभाग)

वेद-वेदाङ्ग एवं साहित्य सङ्काय

Faculty of Ved Vedanga evam Sahitya

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA

देवास मार्ग, उज्जैन (मध्यप्रदेश) भारत, पिन - 456010

Email:- regpsvvmp@rediffmail.com, Website:- www.mpsvv.ac.in

परीक्षापाठ्यक्रम नियमावली

1. **पाठ्यक्रम का स्वरूप -**

अधिगम परिणाम-आधारित पाठ्यचर्या रूपरेखा (LOCF) पर आधारित एकवार्षिक आचार्य (साहित्य) परीक्षा (नियमित एवं स्वाध्यायी) का पाठ्यक्रम दो सत्रार्द्धों में विभक्त होगा। पाठ्यक्रम में प्रतिसत्रार्द्ध 5 प्रश्नपत्र होंगे। 5-5 क्रेडिट के चार अनिवार्य प्रश्नपत्र मूल विषय के होंगे। पाँचवें प्रश्नपत्र के रूप में 2 क्रेडिट के प्रशिक्षुता/सङ्गोष्ठी/मूल्याधारित पाठ्यक्रम आदि शासन द्वारा जारी अध्यादेश 14 (2) के अनुसार होंगे। छात्रों द्वारा VAC पाठ्यक्रम अन्य विषय से भी चयन किये जा सकेंगे। पाठ्यक्रम में प्रथम 4 प्रश्नपत्रों हेतु पूर्णाङ्क 100 है। जिसमें 40 अङ्कों का आन्तरिक मूल्याङ्कन तथा 60 अङ्कों की सैद्धान्तिक (बाह्य) परीक्षा होगी।

2. **प्रवेशनियम**

एकवार्षिक आचार्य (साहित्य) परीक्षा में निम्नलिखित परीक्षोत्तीर्ण छात्र प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे -
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नईदिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से साहित्य विषय में चतुर्वार्षिक बी.ए. परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।

3. **परीक्षायोजना**

एकवार्षिक आचार्य (साहित्य) परीक्षा का माध्यम संस्कृत होगा। परियोजना प्रतिवेदन/लघुशोधप्रबन्ध की भाषा भी संस्कृत होगी।

4. **प्रश्नपत्रनिर्माणयोजना -**

मुख्य पाठ्यक्रमों हेतु

प्रतिप्रश्नपत्र अधोलिखित अनुसार त्रिविध प्रश्न होंगे। उनमें प्रत्येक प्रश्न में एक विकल्प अनिवार्य रहेगा।

क्रमांक	प्रश्नप्रकार	प्रश्नसङ्ख्या	अङ्क	योग
1	बहुविकल्पकीय	5	1	5
2	लघूत्तरीय/टिप्पण्यात्मक	5	3	15
3	निबन्धात्मक/व्याख्यात्मक	5	8	40
4	आन्तरिकमूल्याङ्कन			40
योग				100 अङ्क

VAC पाठ्यक्रमों हेतु

प्रतिप्रश्नपत्र अधोलिखित अनुसार त्रिविध प्रश्न होंगे। उनमें प्रत्येक प्रश्न में एक विकल्प अनिवार्य रहेगा।

क्रमांक	प्रश्नप्रकार	प्रश्नसङ्ख्या	अङ्क	योग
1	बहुविकल्पकीय	5	2	10
2	लघूत्तरीय/टिप्पण्यात्मक	5	6	30
3	निबन्धात्मक/व्याख्यात्मक	5	12	60
योग				100 अङ्क

5. ग्रेडिंगपद्धति-

अध्यक्ष
संस्कृत साहित्य विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

एकवार्षिक आचार्य (साहित्य) परीक्षा में परीक्षाफल प्रकाशन में ग्रेडिंग पद्धति अपनायी जाएगी।

CONVERSION OF MARKS INTO GRADE AND GRADE POINT			
MARKS OBTAINED	GRADE	GRADE POINT	DESCRIPTION
> 90%	O	10	Outstanding
> 80%	A+	9	Excellent
>70%	A	8	Very Good
>60%	B+	7	Good
>50%	B	6	Above Average
>40%	C	5	Average
40%	P	4	Pass
<40%	F	0	Fail
Ab	Ab	0	Absent

Equivalent Percentage= CGPA X 10

The Maximum Marks per paper is fixed at 100

(If it is less or more than 100, convert it into 100 for grading)

Cumulative Grade Point Average

Based on the grades obtained in all the subjects registered for by a student, his or her cumulative Grade point Average Semester Grade Point Average (SGPA) and Cumulative Grade Point Average (CGPA) is calculated as follows:

$$\textbf{SGPA/CGPA} = \frac{\sum (\text{No. of credits in Semester}_i * \text{Grade Point in Semester}_i)}{\sum (\text{No. of Credits in Semester}_i)}$$

SGPA/CGPA is rounded off to the decimal Place.

- जो छात्र किसी सत्रार्द्ध के कुछ पाठ्यक्रमों (प्रश्नपत्रों) में अनुत्तीर्ण होते हैं, किन्तु यदि वे सत्रार्द्ध के कुल क्रेडिट (22) का 40% (अर्थात्

अध्यक्ष
संस्कृत साहित्य विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.

9 क्रेडिट) प्राप्त कर लेते हैं, तो उन्हें अनन्तिम रूप से अग्रिम सत्रार्द्ध में प्रोन्नत किया जावेगा तथा अनुत्तीर्ण पाठ्यक्रमों में उन्हें **एटीकेटी** प्राप्त होगी।

- शोध प्रबन्ध/परियोजना/सङ्गोष्ठी को पूर्ण न कर सके अथवा असफल रहे छात्रों को दो सत्रार्द्ध तक इन्हें दोहराने का अवसर मिलेगा। यदि दोनों सत्रार्द्ध में छात्र इन्हें पूर्ण नहीं कर सका, तो वह सम्बन्धित उपाधि का पात्र नहीं होगा।

6. उपलब्ध स्थान -

उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु उपलब्ध स्थान प्रवेश अधिसूचना द्वारा निर्धारित होंगे। प्रवेश के लिए उपलब्ध स्थानों पर राज्यशासन के नियमानुसार आरक्षण प्रदान किया जाएगा। अधिक प्रवेशार्थी होने की स्थिति में प्रत्येक सत्र में विश्वविद्यालय प्रशासन से स्थानवृद्धि की स्वीकृति प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

7. शुल्क -

छात्रों का प्रवेश शुल्क, परीक्षा तथा अन्य विभिन्न गतिविधियों का शुल्क विश्वविद्यालय के सम्बन्धित अध्यादेश के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित किया जाएगा, जिन्हें समय-समय पर आवश्यक होने पर संशोधित किया जा सकेगा।

8. परीक्षा सञ्चालन एवं उपाधि की पात्रता -

प्रस्तुत पाठ्यक्रम की परीक्षा का सञ्चालन विश्वविद्यालय द्वारा सम्बन्धित अध्यादेशों में विहित प्रावधानों के अनुसार किया जायेगा। उक्त स्नातकोत्तर परीक्षा पूर्ण करने के पश्चात् उत्तीर्ण होने पर **एकवार्षिक आचार्य-साहित्य** की उपाधि प्रदान की जाएगी।

9. अवधि-

अध्यादेश 14 (2) के अनुसार एकवार्षिक स्नातकोत्तर कार्यक्रम को **अधिकतम दो वर्षों में पूर्ण करना अनिवार्य है।**

10. सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम सञ्चालन- छात्रों द्वारा प्रथम सत्रार्द्ध हेतु सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम चयन किये जाने पर विभागाध्यक्ष द्वारा सम्बद्ध विषय में मुख्य चार पाठ्यक्रमों पर आधारित सङ्गोष्ठी शीर्षकों की विस्तृत सूची जारी की जावेगी, जिन पर कक्षा में विमर्श किया जावे। परीक्षा आन्तरिक मूल्याङ्कन द्वारा सम्पादित की जावेगी। जो भी छात्र सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम स्वीकार करेंगे, उन्हें उस सत्रार्द्ध की अवधि में राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की न्यूनतम एक सङ्गोष्ठी/कार्यशाला/परिसंवाद में सहभागिता करना अनिवार्य होगा तथा सम्बन्धित सङ्गोष्ठी/कार्यशाला/परिसंवाद का प्रतिवेदन, प्रमाणपत्र एवं शोधपत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य रहेगा।

अध्यक्ष
संस्कृत साहित्य विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

11. कार्यक्रम योजना

<table>
<tr><th colspan="2" rowspan="3">वर्ष/ सत्रार्द्ध</th><th colspan="4">पाठ्यक्रम प्रकार</th><th rowspan="3">कुल क्रेडिट</th></tr>
<tr><th colspan="3">मुख्य पाठ्यक्रम एवं क्रेडिट</th><th rowspan="2">इन्टर्नशिप/ अप्रेंटिसशिप/ सङ्गोष्ठी
अथवा
VAC (CHM/ EEMC)</th></tr>
<tr><th>पाठ्यक्रम स्तर</th><th>मुख्य पाठ्यक्रम</th><th>क्रेडिट</th></tr>
<tr><td colspan="7">विकल्प- 1 (केवल पाठ्यक्रम कार्य)</td></tr>
<tr><td rowspan="8">प्रथम वर्ष</td><td rowspan="4">प्रथम सत्रार्द्ध</td><td>500</td><td>CC-11 काव्यप्रकाशः</td><td>5</td><td rowspan="4">सङ्गोष्ठी
(2 क्रेडिट)</td><td rowspan="4">22</td></tr>
<tr><td>500</td><td>CC-12 नलचम्पूः</td><td>5</td></tr>
<tr><td>500</td><td>CC-13 वक्रोक्तिजीवितम्</td><td>5</td></tr>
<tr><td>500</td><td>CC-14 औचित्यविचारचर्चा</td><td>5</td></tr>
<tr><td rowspan="4">द्वितीय सत्रार्द्ध</td><td>500</td><td>CC-21 काव्यप्रकाशः</td><td>5</td><td rowspan="4">VAC (CHM/ EEMC)
(2 क्रेडिट)</td><td rowspan="4">22</td></tr>
<tr><td>500</td><td>CC-22 ध्वन्यालोकः</td><td>5</td></tr>
<tr><td>500</td><td>CC-23 छन्दांसि पद्यरचनाश्च</td><td>5</td></tr>
<tr><td>500</td><td>CC-24 नाट्यशास्त्रम्</td><td>5</td></tr>
<tr><td colspan="7">विकल्प- 2 (पाठ्यक्रम कार्य एवं शोध कार्य)</td></tr>
<tr><td rowspan="5">प्रथम वर्ष</td><td rowspan="4">प्रथम सत्रार्द्ध</td><td>500</td><td>CC-11 काव्यप्रकाशः</td><td>5</td><td rowspan="4">सङ्गोष्ठी
(2 क्रेडिट)</td><td rowspan="4">22</td></tr>
<tr><td>500</td><td>CC-12 नलचम्पूः</td><td>5</td></tr>
<tr><td>500</td><td>CC-13 वक्रोक्तिजीवितम्</td><td>5</td></tr>
<tr><td>500</td><td>CC-14 औचित्यविचारचर्चा</td><td>5</td></tr>
<tr><td>द्वितीय सत्रार्द्ध</td><td colspan="4">शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तः अथवा बाह्य)</td><td>22</td></tr>
<tr><td colspan="7">विकल्प- 3 (केवल शोध कार्य)</td></tr>
</table>

अध्यक्ष
संस्कृत साहित्य विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.,
उज्जैन (म.प्र.)

प्रथम वर्ष	प्रथम सत्रार्द्ध	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तः अथवा बाह्य)	**22**
	द्वितीय सत्रार्द्ध	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तः अथवा बाह्य)	**22**

पाठ्यक्रम प्रकार

मुख्य पाठ्यक्रम (Core Course) CC- किसी विषय/कार्यक्रम का अनिवार्य पाठ्यक्रम जिसका उद्देश्य विषय/कार्यक्रम का आवश्यक मौलिक, व्यापक और उन्नत ज्ञान प्रदान करना है।

मूल्य-संवर्धित पाठ्यक्रम (Value-Added Course) VAC - मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम विशिष्ट पाठ्यक्रम होते हैं जो छात्रों को नियमित पाठ्यक्रम से परे, किसी विशिष्ट क्षेत्र में अतिरिक्त कौशल, ज्ञान और विशेषज्ञता प्रदान करते हैं। ये पाठ्यक्रम छात्रों की रोज़गार क्षमता, करियर की संभावनाओं और व्यक्तिगत विकास को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

संवैधानिक, मानवीय और नैतिक मूल्य (Constitutional, Human and Moral) CHM- ये 'मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम' हैं जिनका उद्देश्य संवैधानिक, मानवीय एवं नैतिक मूल्यों तथा बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) पर शिक्षा एवं अभ्यास प्रदान करना है।

रोजगार एवं उद्यमिता कौशल पाठ्यक्रम (Employability and Entrepreneurship Skill Course) EEMC- रोजगार योग्यता एवं उद्यमिता कौशल पाठ्यक्रम एक ऐसा पाठ्यक्रम है, जिसका उद्देश्य रोजगार योग्यता कौशल को बढ़ाना और प्रमुख व्यक्तिगत विशेषताओं को विकसित करना है, जो रोजगार क्षमता पैदा करने और कार्यस्थल पर प्रभावी प्रदर्शन के लिए तैयार करने के लिए आवश्यक हैं।

प्रशिक्षुता (Internship)- इंटर्नशिप किसी व्यक्ति द्वारा किसी संगठन में काम करने के ढङ्ग को समझने के अतिरिक्त, किसी विशिष्ट कार्य या भूमिका के लिए कौशल योग्यता में सुधार और सीखने के अवसरों के साथ-साथ शोध क्षमताओं का निर्माण करने के लिए भी की जाती है। इंटर्नशिप इस प्रकार आयोजित की जानी चाहिए कि इससे इंटर्न के साथ-साथ इंटर्नशिप प्रदान करने वाले संगठन को भी लाभ हो।

कार्यस्थल के लिए आवश्यक सही दृष्टिकोण के साथ व्यावहारिक अनुभव और अनुभव विकसित करके स्नातकोत्तरों की रोजगार क्षमता में सुधार किया जा सकता है। इंटर्नशिप उन महत्वपूर्ण उपकरणों में से एक है जो इन रोजगार कौशलों को बेहतर बनाने में मदद करते हैं और छात्रों में रोजगार के लिए योग्यता, क्षमता, पेशेवर कार्य कौशल, विशेषज्ञता और आत्मविश्वास पैदा करने और शोध के प्रति रुचि/जुनून विकसित करने में मदद कर सकते हैं। इंटर्न कार्यस्थल में सिद्धांत के अनुप्रयोग को समझ सकते हैं। इंटर्नशिप को मोटे तौर पर दो प्रकारों में वर्गीकृत किया जा सकता है-

i. रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए इंटर्नशिप
ii. शोध योग्यता विकसित करने के लिए इंटर्नशिप

शिक्षुता (Apprenticeship) - शिक्षुता प्रशिक्षण किसी भी उद्योग या प्रतिष्ठान में प्रशिक्षण का एक कोर्स है, जो नियोक्ता और शिक्षुओं के बीच शिक्षुता के अनुबंध के अनुसरण में और निर्धारित नियमों और शर्तों के अनुसार किया जाता है।

सङ्गोष्ठी (Seminar) – सङ्गोष्ठी गतिविधि आधारित पाठ्यक्रम हैं, जिनमें छात्र सामान्यतः अपनी कक्षा में तैयार किए गए प्रदत्त कार्य (Assignments), परियोजना (Project) / विषय बिन्दु तथा शीर्षक आधारित चर्चा (Theme & Topics) करते हैं।

अध्यक्ष
संस्कृत साहित्य

एकवार्षिक पत्रोपाधि सत्रार्द्ध परीक्षा पाठ्यक्रम

आचार्य साहित्य

Acharya Sahitya Diploma Syllabus

(Programme Code – AC-SAH)

प्रथम सत्रार्द्ध

2025-26

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, देवासमार्ग, उज्जैन (म.प्र.) 456010

दूरभाष- (0734) 2526044, दूरप्रैष- (0734) 2524845

अणुसङ्केत - regpsvvmp@rediffmail.com,

अन्तर्जालपुट- www.mpsvv.ac.in

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

पत्रोपाधिपाठ्यक्रमः

आचार्यसाहित्यम्

प्रथम सत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः

कार्यक्रम : पत्रोपाधि पाठ्यक्रम Program : Diploma Course	कक्षा (Class) : आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 years)	सत्रार्द्ध : प्रथम Semester : I	सत्र (Session) : 2025-26

विषय (Subject) : संस्कृत साहित्यम्

1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः-	PGD-SAH – 11	
2.	प्रश्नपत्रस्य कूटः/ शीर्षकः	(CC- 11) काव्यप्रकाशः (प्रथमप्रश्नपत्रम्)	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(Core Course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वास्नातकपरीक्षोत्तीर्णाः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाः वा प्रवेष्टुमर्हाः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	• छात्राः काव्यस्वरूपं काव्यप्रयोजनं काव्यहेतुं काव्यभेदान् वा ज्ञातुं प्रभविष्यन्ति। • छात्राः मम्मटोक्त विविध-काव्यशास्त्रीय सिद्धान्तान् ज्ञातुं प्रभविष्यन्ति। • छात्राणां काव्यसृजनप्रतिभायाः परिष्कारः भविष्यति। • आजीविकार्थं छात्राणां कौशलविकासः भविष्यति। • छात्राः कुशलोपदेष्टारः कुशलवक्तारः साहित्यकाराश्च भवितुमर्हन्ति।	
6.	क्रेडिटमानम्	5 क्रेडिट	
7.	पूर्णांकाः-	अधिकतमाङ्काः- 100	7.

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहंपञ्चकालांशाः)

संपूर्णव्याख्यानकालःषष्टिहोरात्मकः(60)

एककः	विषयः	अङ्काः
01	काव्यप्रकाशः(प्रथमोल्लासः) गतिविधिः- कारिकाणां कण्ठस्थीकरणम्, समूहचर्चा च।	12
02	काव्यप्रकाशः(द्वितीयोल्लासः) गतिविधिः- कारिकाणां कण्ठस्थीकरणम्, समूहचर्चा च।	12
03	काव्यप्रकाशः(तृतीयोल्लासः, चतुर्थोल्लासे रसनिरूपणान्तो भागः) गतिविधिः- कारिकाणां कण्ठस्थीकरणम्, समूहचर्चा च।	12

अध्यक्ष
संस्कृत साहित्य विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

04	काव्यप्रकाशः(चतुर्थोल्लासे रसभेदनिरूपणात् रसवदलङ्कारनिरूपणान्तो भागः) गतिविधिः- कारिकाणां कण्ठस्थीकरणम्, समूहचर्चा च।	12
05	काव्यप्रकाशः(चतुर्थोल्लासे प्रेयनिरूपणात् समाप्तिं यावत्) गतिविधिः- कारिकाणां कण्ठस्थीकरणम्, समूहचर्चा च।	12

भाग स- अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, संदर्भग्रंथाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

काव्यव्यप्रकाशः - मम्मटः(संस्कृत एवं हिन्दी व्याख्या)

प्राप्तिस्थानम् - चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी, उ.प्र.

अनुशंसित-समकक्षः-ऑनलाईन-पाठ्यक्रमः-

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द अनुशंसितमूल्याङ्कनविधिः

पूर्णाङ्काः 100

सतत-व्यापकमूल्यांकनाङ्काः(CCE): 40

विश्वविद्यालयीय परीक्षा(UE):60

समयः: 03:00घण्टात्मकम्

आन्तरिकमूल्यांकनम्

सततव्यापकमूल्यांकनम् (CCE):

आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ –पञ्चबहूविकल्पीयाः	5×1=5
2.	अनुभाग ब –पञ्चलघूत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकंद्विशतशब्दाः) (200)	5×3=15
	अनुभाग स –पञ्चदीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकंपञ्चशतशब्दाः) (500)	5×8=40 पूर्णाङ्काः-60
	योगः	**100**
	प्रश्नपत्रस्य कूटः/ शीर्षकः	**(CC- 11)** काव्यप्रकाशः (प्रथमप्रश्नपत्रम्)

अध्यक्ष
संस्कृत साहित्य विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

पत्रोपाधिपाठ्यक्रमः

आचार्यसाहित्यम्

प्रथम सत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः

कार्यक्रम :पत्रोपाधि पाठ्यक्रम Program : Diploma Course	**कक्षा (Class) : आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 years)**	**सत्रार्द्ध : प्रथम Semester : I**	**सत्र (Session) : 2025-26**

विषय (Subject) : संस्कृत साहित्यम्

1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः-	PGD-SAH – 12
2.	प्रश्नपत्रस्य कूटः/ शीर्षकः	(CC- 12) नलचम्पूः (द्वितीयप्रश्नपत्रम्)
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(Core Course)
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वास्नातकपरीक्षोत्तीर्णाः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाः वा प्रवेष्टुमर्हाः।
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	• छात्रेभ्यः चम्पूकाव्यविधायाः ज्ञानं भविष्यति। • छात्रेभ्यः नलदमयन्तिकथायाः ज्ञानं भविष्यति। • छात्राणां काव्यसृजनप्रतिभायाः परिष्कारः भविष्यति। • आजीविकार्थं छात्राणां कौशलविकासः भविष्यति। • छात्राः कुशलोपदेष्टारः कुशलवक्तारः साहित्यकाराश्च भवितुमर्हन्ति।
6.	क्रेडिटमानम्	5 क्रेडिट
7.	पूर्णांकाः-	अधिकतमाङ्काः- 100 7.

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहंपञ्चकालांशाः)
संपूर्णव्याख्यानकालःषष्टिहोरात्मकः(60)

एककः	विषयः	अङ्काः
01	नलचम्पूः(प्रथमोच्छ्वासे आरम्भतः पद्यसंख्या 35 पर्यन्तो भागः) गतिविधिः-विद्यार्थिभिः नलचम्पूकाव्यस्य चयनिताः अंशाः (यथा—नल–दमयन्ती–संवादः, नलस्य वनगमनं च) शुद्धोच्चारणेन सह पठनीयाः। अनन्तरं तेषां भावार्थः सरलया संस्कृतभाषया वा हिन्दीभाषया वा प्रस्तुतव्यः।	12
02	नलचम्पूः(प्रथमोच्छ्वासे कुन्दद्युतयः प्रभृति समाप्तिं यावत्) गतिविधिः-विद्यार्थिभिः नलः, दमयन्ती, इत्यादिपात्राणि आधारीकृत्य लघुनाट्यरूपेण प्रस्तुतिः कार्यताम्।	12
03	नलचम्पूः(द्वितीयोच्छ्वासः)	12

अध्यक्ष
संस्कृत साहित्य विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

	गतिविधिः-श्लोकानां कण्ठस्थ-अभ्यासश्च। तेषु विद्यमानाः अलंकाराः, रसाः, छन्दश्च विद्यार्थिभिः विश्लेषणीयाः।	
04	नलचम्पूः(तृतीयोच्छ्वास) गतिविधिः-नलचम्पूकाव्यस्य कथा "महाभारते" विद्यमानात् नलोपाख्यानात् सह तुलनात्मकामध्ययनम्। ततः समताविषमतयोः अध्ययनं कृत्वा लघुलेखः रचनीयः।	12
05	नलचम्पूः (चतुर्थोच्छ्वास) गतिविधिः-नल–दमयन्त्याः कथायाः प्रमुखप्रसंगान् आधारीकृत्य चित्राणि पोस्टरनिर्माणं च। तेषां प्रदर्शनी अपि आयोजितुं शक्यते।	12

भाग स- अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, संदर्भग्रंथाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

नलचम्पूः - त्रिविक्रमभट्टः(संस्कृत एवं हिन्दी व्याख्या)

प्राप्तिस्थानम् - चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी, उ.प्र.

अनुशंसित-समकक्षः-ऑनलाईन-पाठ्यक्रमः-

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द अनुशंसितमूल्याङ्कनविधिः

पूर्णाङ्काः 100

सतत-व्यापकमूल्यांकनाङ्काः(CCE): 40

विश्वविद्यालयीय परीक्षा(UE):60

समयः: 03:00घण्टात्मकम्

आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् (CCE):	Assignment/प्रस्तुतिकरणम्	पूर्णाङ्काः-40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ –पञ्चबहूविकल्पीयाः	5×1=5
	अनुभाग ब –पञ्चलघूत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकंद्विशतशब्दाः) (200)	5×3=15
	अनुभाग स –पञ्चदीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकंपञ्चशतशब्दाः) (500)	5×8=40 पूर्णाङ्काः-60
	योगः	**100**

अध्यक्ष
संस्कृत साहित्य विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

पत्रोपाधिपाठ्यक्रमः

आचार्यसाहित्यम्

प्रथम सत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः

कार्यक्रम :पत्रोपाधि पाठ्यक्रम Program : Diploma Course	कक्षा (Class) : आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 years)	सत्रार्द्ध : प्रथम Semester : I	सत्र (Session) : 2025-26

विषय (Subject) : संस्कृत साहित्यम्

1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः-	PGD-SAH – 13	
2.	प्रश्नपत्रस्य कूटः/शीर्षकः	(CC- 13) वक्रोक्तिजीवितम् (तृतीयप्रश्नपत्रम्)	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(Core Course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वास्नातकपरीक्षोत्तीर्णाः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाः वा प्रवेष्टुमर्हाः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	• छात्राः वक्रोक्तिसम्प्रदायेन परिचिताः भविष्यन्ति। • छात्राः वक्रोक्तेः स्वरूपम् भेदान् च ज्ञास्यन्ति। • छात्राणां काव्यसृजनप्रतिभायाः परिष्कारः भविष्यति। • आजीविकार्थं छात्राणां कौशलविकासः भविष्यति। • छात्राः कुशलोपदेष्टारः कुशलवक्तारः साहित्यकाराश्च भवितुमर्हन्ति।	
6.	क्रेडिटमानम्	5 क्रेडिट	
7.	पूर्णांकाः-	अधिकतमाङ्काः- 100	7.

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहंपञ्चकालांशाः)

संपूर्णव्याख्यानकालःषष्टिहोरात्मकः(60)

एककः	विषयः	अङ्काः
01	वक्रोक्तिजीवितम्(प्रथमोन्मेषे 1-11 कारिकाः) गतिविधिः- कारिकाणां कण्ठस्थीकरणम्, समूहचर्चा च।	12
02	वक्रोक्तिजीवितम्(प्रथमोन्मेषे 12-22 कारिकाः) गतिविधिः- कारिकाणां कण्ठस्थीकरणम्, समूहचर्चा च।	12
03	वक्रोक्तिजीवितम्(प्रथमोन्मेषे 23-25 कारिकाः) गतिविधिः- कारिकाणां कण्ठस्थीकरणम्, समूहचर्चा च।	12
04	वक्रोक्तिजीवितम्(प्रथमोन्मेष 36-47 कारिकाः) गतिविधिः- कारिकाणां कण्ठस्थीकरणम्, समूहचर्चा च।	12

अध्यक्ष
संस्कृत साहित्य विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

05	वक्रोक्तिजीवितम्(प्रथमोन्मेषे 48-58 कारिकाः) गतिविधिः- कारिकाणां कण्ठस्थीकरणम्, समूहचर्चा च।	12

भाग स- अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, संदर्भग्रंथाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

वक्रोक्तिजीवितम् - कुन्तकः(संस्कृत एवं हिन्दी व्याख्या)

प्राप्तिस्थानम् - चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी, उ.प्र.

अनुशंसित-समकक्षः-ऑनलाईन-पाठ्यक्रमः-

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द अनुशंसितमूल्याङ्कनविधिः

पूर्णाङ्काः 100

सतत-व्यापकमूल्यांकनाङ्काः(CCE): 40

विश्वविद्यालयीय परीक्षा(UE):60

समयः: 03:00घण्टात्मकम्

आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् (CCE):	Assignment/प्रस्तुतिकरणम्	पूर्णाङ्काः-40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ –पञ्चबहूविकल्पीयाः	5×1=5
	अनुभाग ब –पञ्चलघूत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकंद्विशतशब्दाः) (200)	5×3=15
	अनुभाग स –पञ्चदीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकंपञ्चशतशब्दाः) (500)	5×8=40 पूर्णाङ्काः-60
	योगः	**100**

अध्यक्ष
संस्कृत साहित्य विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

पत्रोपाधिपाठ्यक्रमः

आचार्यसाहित्यम्

प्रथम सत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः

कार्यक्रम :पत्रोपाधि पाठ्यक्रम **Program: Diploma Course**	**कक्षा (Class) : आचार्य एकवार्षिक** **(Acharya 1 years)**	**सत्रार्द्ध : प्रथम** **Semester : I**	**सत्र (Session) : 2025-26**

विषय (Subject) : संस्कृत साहित्यम्

1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः-	PGD-SAH – 14	
2.	प्रश्नपत्रस्य कूटः/ शीर्षकः	**(CC- 14)** औचित्यविचारचर्चा (चतुर्थप्रश्नपत्रम्)	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(Core Course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वास्नातकपरीक्षोत्तीर्णाः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाः वा प्रवेष्टुमर्हाः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	• छात्राः औचित्यसम्प्रदायेन परिचिताः भविष्यन्ति। • छात्राः औचित्यस्य समग्रभेदान् लक्षणान् च ज्ञास्यन्ति। • छात्राणां काव्यसृजनप्रतिभायाः परिष्कारः भविष्यति। • आजीविकार्थं छात्राणां कौशलविकासः भविष्यति। • छात्राः कुशलोपदेष्टारः कुशलवक्तारः साहित्यकाराश्च भवितुमर्हन्ति।	
6.	क्रेडिटमानम्	5 क्रेडिट	
7.	पूर्णांकाः-	अधिकतमाङ्काः- 100	**7.**

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहंपञ्चकालांशाः)

संपूर्णव्याख्यानकालःषष्टिहोरात्मकः(60)

एककः	विषयः	अङ्काः
01	औचित्यविचारचर्चा (आरम्भतः षष्टौचित्यभेदपर्यन्तम्) गतिविधिः- कारिकाणां कण्ठस्थीकरणम्, समूहचर्चा, व्यवहारिकं च।	12
02	औचित्यविचारचर्चा (सप्तमौचित्यभेदात् से चतुर्दशौचित्यभेदपर्यन्तम्) गतिविधिः- कारिकाणां कण्ठस्थीकरणम्, समूहचर्चा, व्यवहारिकं च।	12
03	औचित्यविचारचर्चा (पञ्चदशौचित्यभेदात् एकविंशौचित्यभेदपर्यन्तम्) गतिविधिः- कारिकाणां कण्ठस्थीकरणम्, समूहचर्चा, व्यवहारिकं च।	12
04	औचित्यविचारचर्चा (द्वाविंशौचित्यभेदात् समाप्तिं यावत्) गतिविधिः- कारिकाणां कण्ठस्थीकरणम्, समूहचर्चा, व्यवहारिकं च।	12

अध्यक्ष
संस्कृत साहित्य विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

05	औचित्यसम्प्रदायपरिचयः गतिविधिः- कारिकाणां कण्ठस्थीकरणम्, समूहचर्चा, व्यवहारिकं च।	12

भाग स- अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, संदर्भग्रंथाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

औचित्यविचारचर्चा - क्षेमेन्द्रः(संस्कृत एवं हिन्दी व्याख्या)

प्राप्तिस्थानम् - चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी, उ.प्र.

अनुशंसित-समकक्षः-ऑनलाईन-पाठ्यक्रमः-

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द अनुशंसितमूल्याङ्कनविधिः

पूर्णाङ्काः 100

सतत-व्यापकमूल्यांकनाङ्काः(CCE): 40

विश्वविद्यालयीय परीक्षा(UE):60

समयः: 03:00घण्टात्मकम्

आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् (CCE):	Assignment/प्रस्तुतिकरणम्	पूर्णाङ्काः-40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ –पञ्चबहूविकल्पीयाः	5×1=5
	अनुभाग ब –पञ्चलघूत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकंद्विशतशब्दाः) (200)	5×3=15
	अनुभाग स –पञ्चदीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकंपञ्चशतशब्दाः) (500)	5×8=40 पूर्णाङ्काः-60
	योगः	**100**

अध्यक्ष
संस्कृत साहित्य विभाग
म.पा.सं. एवं वे.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

एकवार्षिक पत्रोपाधि सत्रार्द्ध परीक्षा पाठ्यक्रम

आचार्य साहित्य

Acharya Sahitya Diploma Syllabus

(Programme Code – AC-SAH)

द्वितीय सत्रार्द्ध

2025-26

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, देवासमार्ग, उज्जैन (म.प्र.) 456010

दूरभाष- (0734) 2526044, दूरप्रैष- (0734) 2524845

अणुसङ्केत - regpsvvmp@rediffmail.com,

अन्तर्जालपुट- www.mpsvv.ac.in

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

पत्रोपाधिपाठ्यक्रमः

आचार्यसाहित्यम्

द्वितीय सत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः

कार्यक्रम :पत्रोपाधि पाठ्यक्रम Program : Diploma Course	कक्षा (Class) : आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 years)	सत्रार्द्ध : द्वितीय Semester : II	सत्र (Session) : 2025-26

विषय (Subject) : संस्कृत साहित्यम्

1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः-	PGD-SAH – 21	
2.	प्रश्नपत्रस्य कूटः/ शीर्षकः	(CC- 21) काव्यप्रकाशः(प्रथमप्रश्नपत्रम्)	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(Core Course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	1. महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य आचार्यसाहित्यप्रथमसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	• छात्राः काव्यभेदान्, काव्यदोषान्, काव्यगुणान्, ज्ञास्यन्ति। • छात्राः मम्मटोक्तान् अलङ्कारान् सलक्षणं ज्ञास्यन्ति। • छात्राणां काव्यसृजनप्रतिभायाः परिष्कारः भविष्यति। • आजीविकार्थं छात्राणां कौशलविकासः भविष्यति। • छात्राः कुशलोपदेष्टारः कुशलवक्तारः साहित्यकाराश्च भवितुमर्हन्ति।	
6.	क्रेडिटमानम्	5 क्रेडिट	
7.	पूर्णांकाः-	अधिकतमाङ्काः- 100	7.

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहंपञ्चकालांशाः)
संपूर्णव्याख्यानकालःषष्टिहोरात्मकः(60)

एककः	विषयः	अङ्काः
01	काव्यप्रकाशः(पञ्चमषष्ठोल्लासौ) गतिविधिः- कारिकाणां कण्ठस्थीकरणम्, समूहचर्चा च।	12
02	काव्यप्रकाशः(सप्तमउल्लासे वाक्यदोषनिरूपणान्तो भागः) गतिविधिः- कारिकाणां कण्ठस्थीकरणम्, समूहचर्चा च।	12

अध्यक्ष
संस्कृत साहित्य विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

03	काव्यप्रकाशः(सप्तमोल्लासे अर्थदोषनिरुपणम् अष्टमोल्लासश्च) गतिविधिः- कारिकाणां कण्ठस्थीकरणम्, समूहचर्चा च।	12
04	काव्यप्रकाशः(नवमोल्लासः, दशमोल्लासे प्रारम्भतः निदर्शनालङ्कारपर्यन्तो भागः) गतिविधिः- कारिकाणां कण्ठस्थीकरणम्, समूहचर्चा च।	12
05	काव्यप्रकाशः(दशमोल्लासे अवशिष्टा अलङ्काराः) गतिविधिः- कारिकाणां कण्ठस्थीकरणम्, समूहचर्चा च।	12

भाग स- अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, संदर्भग्रंथाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

काव्यव्यप्रकाशः - मम्मटः(संस्कृत एवं हिन्दी व्याख्या)

प्राप्तिस्थानम् - चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी, उ.प्र.

अनुशंसित-समकक्षः-ऑनलाईन-पाठ्यक्रमः-

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द अनुशंसितमूल्याङ्कनविधिः

पूर्णाङ्काः 100

सतत-व्यापकमूल्यांकनाङ्काः(CCE): 40

विश्वविद्यालयीय परीक्षा(UE):60

समयः: 03:00घण्टात्मकम्

आन्तरिकमूल्यांकनम्

सततव्यापकमूल्यांकनम् (CCE):

आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ –पञ्चबहूविकल्पीयाः	5×1=5
2.	अनुभाग ब –पञ्चलघूत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकंद्विशतशब्दाः) (200)	5×3=15
	अनुभाग स –पञ्चदीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकंपञ्चशतशब्दाः) (500)	5×8=40 पूर्णाङ्काः-60
	योगः	**100**
	प्रश्नपत्रस्य कूटः/ शीर्षकः	**(CC- 21)** काव्यप्रकाशः(प्रथमप्रश्नपत्रम्)

अध्यक्ष
संस्कृत साहित्य विभाग
म.पा.सं. एवं वे.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

पत्रोपाधिपाठ्यक्रमः

आचार्यसाहित्यम्

द्वितीय सत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः

कार्यक्रम :पत्रोपाधि पाठ्यक्रम Program : Diploma Course	**कक्षा (Class) : आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 years)**	**सत्रार्द्ध : द्वितीय Semester : II**	**सत्र (Session) : 2025-26**

विषय (Subject) : संस्कृत साहित्यम्

1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः-	PGD-SAH – 22	
2.	प्रश्नपत्रस्य कूटः/ शीर्षकः	**(CC- 22)** ध्वन्यालोकः (द्वितीयप्रश्नपत्रम्)	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(Core Course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	1. महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य आचार्यसाहित्यप्रथमसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	• छात्राः ध्वनिसम्प्रदायेन परिचिताः भविष्यन्ति। • छात्राः ध्वनिलक्षणं उदाहरणञ्च ज्ञास्यन्ति। • छात्राणां काव्यसृजनप्रतिभायाः परिष्कारः भविष्यति। • आजीविकार्थं छात्राणां कौशलविकासः भविष्यति। • छात्राः कुशलोपदेष्टारः कुशलवक्तारः साहित्यकाराश्च भवितुमर्हन्ति।	
6.	क्रेडिटमानम्	5 क्रेडिट	
7.	पूर्णांकाः-	अधिकतमाङ्काः- 100	**7.**

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहंपञ्चकालांशाः)
संपूर्णव्याख्यानकालःषष्टिहोरात्मकः(60)

एककः	विषयः	अङ्काः
01	ध्वन्यालोकः(प्रथमोद्योते 1-4 कारिकाः) गतिविधिः- कारिकाणां कण्ठस्थीकरणम्, समूहचर्चा च।	12
02	ध्वन्यालोकः(प्रथमोद्योते 5-10 कारिकाः) गतिविधिः- कारिकाणां कण्ठस्थीकरणम्, समूहचर्चा च।	12
03	ध्वन्यालोकः(प्रथमोद्योते 11-15 कारिकाः) गतिविधिः- कारिकाणां कण्ठस्थीकरणम्, समूहचर्चा च।	12

अध्यक्ष
संस्कृत साहित्य विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

04	ध्वन्यालोकः(प्रथमोद्योते 16-19 कारिकाः) गतिविधिः- कारिकाणां कण्ठस्थीकरणम्, समूहचर्चा च।	12
05	ध्वनिसम्प्रदायपरिचयः गतिविधिः- ध्वनिवादी-आचार्याणां कर्तृत्त्वमाश्रित्य समूहचर्चा।	12

भाग स- अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, संदर्भग्रंथाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

ध्वन्यालोकः - आनन्दवर्धनः(संस्कृत एवं हिन्दी व्याख्या)

प्राप्तिस्थानम् - चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी, उ.प्र.

अनुशंसित-समकक्षः-ऑनलाईन-पाठ्यक्रमः-

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द अनुशंसितमूल्याङ्कनविधिः

पूर्णाङ्काः 100

सतत-व्यापकमूल्यांकनाङ्काः(CCE): 40

विश्वविद्यालयीय परीक्षा(UE):60

समयः: 03:00घण्टात्मकम्

आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् (CCE):	Assignment/प्रस्तुतिकरणम्	पूर्णाङ्काः-40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ –पञ्चबहुविकल्पीयाः	5×1=5
	अनुभाग ब –पञ्चलघुत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकंद्विशतशब्दाः) (200)	5×3=15
	अनुभाग स –पञ्चदीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकंपञ्चशतशब्दाः) (500)	5×8=40 पूर्णाङ्काः-60
	योगः	**100**

अध्यक्ष
संस्कृत साहित्य विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

पत्रोपाधिपाठ्यक्रमः

आचार्यसाहित्यम्

द्वितीय सत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः

कार्यक्रम :पत्रोपाधि पाठ्यक्रम Program : Diploma Course	कक्षा (Class) : आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 years)	सत्रार्द्ध : द्वितीय Semester : II	सत्र (Session) : 2025-26

विषय (Subject) : संस्कृत साहित्यम्

1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः-	PGD-SAH – 23	
2.	प्रश्नपत्रस्य कूटः/ शीर्षकः	(CC- 23) छन्दांसि पद्यरचनाश्च (तृतीयप्रश्नपत्रम्)	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(Core Course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	1. महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य आचार्यसाहित्यप्रथमसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	• छात्राः छन्दशास्त्रेन परिचिताः भविष्यन्ति। • छात्राः छन्दलक्षणान् ज्ञास्यन्ति। • छात्राणां काव्यसृजनप्रतिभायाः परिष्कारः भविष्यति। • आजीविकार्थं छात्राणां कौशलविकासः भविष्यति। • छात्राः कुशलोपदेष्टारः कुशलवक्तारः साहित्यकाराश्च भवितुमर्हन्ति।	
6.	क्रेडिटमानम्	5 क्रेडिट	
7.	पूर्णांकाः-	अधिकतमाङ्काः- 100	7.

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहंपञ्चकालांशाः)
संपूर्णव्याख्यानकालःषष्टिहोरात्मकः(60)

एककः	विषयः	अङ्काः
01	छन्दःशास्त्रीयग्रन्थानां परिचयः- छन्दःशास्त्रम्, छन्दोमञ्जरी, सुवृत्ततिलकः, छन्दोनुशासनम् गतिविधिः- छन्दः कण्ठस्थीकरणम्, अनुप्रयोगश्च।	12
02	वृत्तरत्नाकरः(प्रथमद्वितीयौ अध्यायौ) गतिविधिः- छन्दः कण्ठस्थीकरणम्, अनुप्रयोगश्च।	12
03	वृत्तरत्नाकरः(तृतीयोऽध्यायः) गतिविधिः- छन्दः कण्ठस्थीकरणम्, अनुप्रयोगश्च।	12
04	वृत्तरत्नाकरः(चतुर्थपञ्चमौ अध्यायौ) गतिविधिः- छन्दः कण्ठस्थीकरणम्, अनुप्रयोगश्च।	12

अध्यक्ष संस्कृत साहित्य विभाग म.पा.सं. एवं वै.वि.वि. उज्जैन (म.प्र.)

05	पद्यरचना (स्वरचिता) छन्दःशास्त्रकाराणां परिचयः(पिङ्गलः, केदारभट्टः, गङ्गादासः, क्षेमेन्द्रः हेमचन्द्रसूरिः) गतिविधिः- पद्यरचना अभ्यासः।	12

भाग स- अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, संदर्भग्रंथाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

वृत्तरत्नाकरः	-	केदारभट्टः(संस्कृत एवं हिन्दी व्याख्या)
संस्कृतसाहित्येतिहासः	-	आचार्यलोकमणिदहालः
प्राप्तिस्थानम्	-	चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी, उ.प्र.

अनुशंसित-समकक्षः-ऑनलाईन-पाठ्यक्रमः-

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द अनुशंसितमूल्याङ्कनविधिः

पूर्णाङ्काः 100

सतत-व्यापकमूल्यांकनाङ्काः(CCE): 40

विश्वविद्यालयीय परीक्षा(UE):60

समयः: 03:00घण्टात्मकम्

आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् (CCE):	Assignment/प्रस्तुतिकरणम्	पूर्णाङ्काः40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ –पञ्चबहूविकल्पीयाः	5×1=5
	अनुभाग ब –पञ्चलघूत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकंद्विशतशब्दाः) (200)	5×3=15
	अनुभाग स –पञ्चदीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकंपञ्चशतशब्दाः) (500)	5×8=40 पूर्णाङ्काः-60
	योगः	**100**

अध्यक्ष
संस्कृत साहित्य विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

पत्रोपाधिपाठ्यक्रमः

आचार्यसाहित्यम्

द्वितीय सत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः

कार्यक्रम :पत्रोपाधि पाठ्यक्रम **Program : Diploma Course**	**कक्षा (Class) : आचार्य एकवार्षिक** **(Acharya 1 years)**	**सत्रार्द्ध : द्वितीय** **Semester : II**	**सत्र (Session) : 2025-26**

विषय (Subject) : संस्कृत साहित्यम्

1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः-	PGD-SAH – 24
2.	प्रश्नपत्रस्य कूटः/ शीर्षकः	(CC-24) नाट्यशास्त्रम् (चतुर्थप्रश्नपत्रम्)
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(Core Course)
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	1. महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य आचार्यसाहित्यप्रथमसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णः।
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	• छात्राः अनुमानाधारित ध्वनेर्खण्डनं ज्ञास्यन्ति। • छात्राः ध्वनिलक्षणे दशदोषाः ज्ञास्यन्ति। • छात्राणां काव्यसृजनप्रतिभायाः परिष्कारः भविष्यति। • आजीविकार्थं छात्राणां कौशलविकासः भविष्यति। • छात्राः कुशलोपदेष्टारः कुशलवक्तारः साहित्यकाराश्च भवितुमर्हन्ति।
6.	क्रेडिटमानम्	5 क्रेडिट
7.	पूर्णांकाः-	अधिकतमाङ्काः- 100 7.

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहंपञ्चकालांशाः)

संपूर्णव्याख्यानकालःषष्टिहोरात्मकः(60)

एककः	विषयः	अङ्काः
01	नाट्यशास्त्रम्(षष्ठाध्याये 01-39 कारिकाः) गतिविधिः-श्लोकानां कण्ठस्थीकरणम्, समूहचर्चा, व्यवहारिकं च।	12
02	नाट्यशास्त्रम्(षष्ठाध्याये 40-88 कारिकाः) गतिविधिः- श्लोकानां कण्ठस्थीकरणम्, समूहचर्चा, व्यवहारिकं च।	12
03	नाट्यशास्त्रम्(सप्तमाध्याये 01-27 कारिकाः) गतिविधिः- श्लोकानां कण्ठस्थीकरणम्, समूहचर्चा, व्यवहारिकं च।	12
04	नाट्यशास्त्रम्(सप्तमाध्याये 28-70 कारिकाः) गतिविधिः- श्लोकानां कण्ठस्थीकरणम्, समूहचर्चा, व्यवहारिकं च।	12

अध्यक्ष
संस्कृत साहित्य विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

05	नाट्यशास्त्रम्(सप्तमाध्याये 71-126 कारिकाः) गतिविधिः- श्लोकानां कण्ठस्थीकरणम्, समूहचर्चा, व्यवहारिकं च।	12

भाग स- अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि
पाठ्यपुस्तकानि, संदर्भग्रंथाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

नाट्यशास्त्रम् - भरतमुनि(संस्कृत एवं हिन्दी व्याख्या)

प्राप्तिस्थानम् - चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी, उ.प्र.

अनुशंसित-समकक्षः-ऑनलाईन-पाठ्यक्रमः-

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द अनुशंसितमूल्याङ्कनविधिः

पूर्णाङ्काः 100 सतत-व्यापकमूल्यांकनाङ्काः(CCE): 40 विश्वविद्यालयीय परीक्षा(UE):60 समयः: 03:00घण्टात्मकम्		
आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् (CCE): आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	Assignment/प्रस्तुतिकरणम्	पूर्णाङ्काः-40
	अनुभाग अ –पञ्चबहूविकल्पीयाः	5×1=5
	अनुभाग ब –पञ्चलघूत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकंद्विशतशब्दाः) (200)	5×3=15
	अनुभाग स –पञ्चदीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकंपञ्चशतशब्दाः) (500)	5×8=40 पूर्णाङ्काः-60

अध्यक्ष
संस्कृत साहित्य विभाग
म.पा.सं. एवं वे.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)